वार्तालाप-624, निलंगा, दिनांक 07.09.08
Disc.CD No.624, dated 07.09.08 at Nilanga

समयः 00.08-01.18

जिज्ञासुः बाबा, चैतन्य नदी में...जानवर कौन हैं?

बाबाः वो जड़ नदियों में जानवर होते हैं। जड़त्व बुद्धि वाले जानवर होते हैं या मानवीय बुद्धि वाले जानवर होते हैं? (जिज्ञासु - जड़ बुद्धि।) और चैतन्य नदियों में कैसे जानवर होते हैं, जो ह्युमन नदियाँ हैं? ह्युमन नदियों से जानवरों का लगाव होता है कि नहीं होता है? लगाव हो जाता है। तो उनकी बुद्धि में कौनसे जानवर तैरते रहते हैं? ह्युमन जानवर की बात है या वो उन जानवरों की बात है? ह्युमन जानवरों की बात है। तो सारा वायब्रेशन ही खराब करते रहते हैं। ऐसी नदियों में स्नान करेंगे तो हमारा तुम्हारा वायब्रेशन कैसा बनेगा? स्वर्गीय वायब्रेशन बनावेंगी या और ही नरक बनावेंगी? और ही नरक बनेगा।

Time: 00.08-01.18
Student: Baba, what are the …animals that exist in the living river?
Baba: There are animals in those non-living rivers. Are they the animals with an inert intellect or are they the animals with a human intellect? (Student: Inert intellect.) And what kind of animals exist in the living rivers, the *human* rivers? Do the animals have attachment to the *human* rivers or not? They have attachment. So, what kind of animals keep flowing in their intellect? Is it about the *human* animals or about those animals? It is about the *human* animals. So, they keep spoiling the entire *vibration*. If we bathe in such rivers, how will our vibrations become? Will they create heavenly vibrations or will they create even more hell? It will become hell even more.

समयः 01.20-03.16

जिज्ञासुः बाबा, बाबा कहते हैं कर्मों में शंकर को फॉलो नहीं करना है। अगर करोगे तो उल्लू की तरह उल्टा लटक जाओगे। तो शंकर के ऐसे कौनसे कर्म हैं?

बाबाः शंकर से बिच्छू टिण्डन पैदा होते हैं कि नहीं? वो तो ताकतवर है। कोई बाप ताकतवर हो तो कैसे भी आसुरी बच्चे पैदा होंगे उनको कंट्रोल कर लेगा। और हरेक साधारण बाप के अगर बिच्छू-टिण्डन बच्चे पैदा होंगे तो परेशान हो जाएगा या आसानी हो जाएगी? परेशान हो जाएगा। बाप तो सर्व समर्थ है। भक्तिमार्ग में कहते हैं भानु प्रशानु सर्व रस खाई, तिन को मंद कहत कोउ नांहि। सूर्य है, अग्नि है, ये कोई मंद बुद्धि नहीं है। ये गंद को भी सोख जाते हैं। इनकी बात अलग है। भगवान का तो पार्ट ही निराला है। कैसी दुनिया में आता है? पतित दुनिया में। कैसे तन में आता है? पतित से पतित कामी काँटे में आता है। फिर? फिर उसको संग का रंग लगता है क्या? इब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट को संग का रंग लगता है या नहीं लगता है? (जिज्ञासु - लगता है।) उनको तो लगता है। तो वो तो पार्ट ही निराला है। वो सदगुरु का पार्ट है। भक्तिमार्ग में भी कहते हैं कि गुरु की आज्ञा माननी चाहिए। गुरु जैसा करता है वैसा नहीं करना है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 01.20-03.16
Student: Baba, Baba says, you should not *follow* Shankar in actions. If you follow, you will hang upside down like a bat. So, what are such actions that Shankar performs?
Baba: Are scorpions and spiders (*bichchu-tindan*) born from Shankar or not? He is definitely powerful. If a father is powerful, he will *control* any kind of demonic children that are born. And if scorpion and spider like children are born to every ordinary father, will he be troubled or will he feel easy? He will be troubled. The Father is definitely capable in every way. In the path of *bhakti* it is said – *Bhaanu prashaanu sarva ras khaai, tin ko mand kahat kou naahi*. The Sun, fire do not have a dull intellect. They absorb even dirt. Their topic is different. The very *part* of God is unique. In what kind of a world does He come? [He comes] in the sinful world. In what kind of a body does He come? He comes in the most sinful lustful thorn. Then? Then, is He coloured by the company? Are Abraham, Buddha, Christ coloured by the company or not? (Student: They are.) They are definitely coloured. So, that *part* [of the Supreme Soul] itself is unique. That is the *part* of the *Sadguru*. Even in the path of *bhakti* it is said that you should obey the Guru's orders. You should not do as the Guru does.

समयः 03.22-05.30
जिज्ञासुः बाबा, राम और कृष्ण का जो नाम रखते हैं तो उनके जन्म देने वाले माँ-बाप नाम रखते हैं कि सतयुगी माँ-बाप नाम रखते हैं?
बाबाः संगमयुग में नाम रखे गए हैं या सतयुग-त्रेता, द्वापर, कलियुग में नाम रखे गए हैं? (जिज्ञासु - संगमयुग में।) नाम तो सारे संगमयुग पर रखे हुए हैं। और संगमयुग में माँ-बाप नाम रखते हैं या काम के आधार पर नाम रखे जाते हैं? (जिज्ञासु - काम के आधार पर।) बाप काम सिखाते हैं। ऐसे-ऐसे कर्म करो। तो जो बच्चे अच्छे से अच्छे कर्म करते हैं उनके अच्छे से अच्छे नाम डाले जाते हैं। राम नाम पड़ा। तो जरूर योगियों की आत्मा ने जिसमें रमण किया है, जिसकी याद में, उसका नाम राम पड़ गया। शास्त्रों में भी लिख दिया - रम्यते योगिनो यस्मिन इति राम। योगी लोग जिसमें रमण करते हैं वो ही राम है। वो योगियों का ईश्वर है। योगीश्वर शंकर को भी कहा जाता है। योगीश्वर कृष्ण को भी कहा जाता है। उन्होंने उस कृष्ण को समझ लिया जो बच्चा बुद्धि का पार्ट बजाता है। वास्तव में है संगमयुगी कृष्ण की बात। योगीश्वर सनत कुमार को भी कहा जाता है। ब्रह्मा का जो बड़ा पुत्र सबसे जास्ती ज्ञानी था उसको योगीश्वर कहा गया है। वास्तव में जिसके नाम से सनत, सनत कुमार नाम से सनातन धर्म की स्थापना हुई है, जो सनातन धर्म की स्थापना में सबसे जास्ती योग देने वाला है वो ही राम है, वो ही योगीश्वर शंकर है, वो ही सनतकुमार है।

Time: 03.22-05.30
Student: Baba, are the names of Ram and Krishna given by the parents who give them birth or do the Golden Age parents name them?
Baba: Have the names been given in the Confluence Age or in the Golden Age, the Silver Age, the Copper Age and the Iron Age? (Student: In the Confluence Age.) All the names have been given in the Confluence Age. And do parents give names in the Confluence Age or are the names given as per the tasks that they perform? (Student: According to the task performed.) The Father teaches the tasks. [He says:] Perform such and such actions. So, the children who perform the best actions are given the best names. The name Ram was given. So, definitely the one in whom,

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

in whose remembrance the souls of the *yogis* have taken delight, was named as Ram. It is also written in the scriptures: *Ramyate yogino yasmin iti Raam*. The one in whom the *yogis* take delight, himself is Ram. He is the God of the *yogis*. Shankar is also called *Yogishwar* (lord of the yogis). Krishna is also called *Yogishwar*. They considered that Krishna who plays the *part* of the one with a child like intellect [to be *Yogishwar*]. Actually it is about the Confluence Age Krishna. Sanat Kumar is also called *Yogishwar*. The eldest son of Brahma who was the most knowledgeable is called *Yogishwar*. Actually, the one according to whose name... Sanat Kumar, according to whose name the Ancient Religion (*Sanatan Dharma*) has been established, the one who helps the most in the establishment of the Ancient Religion himself is Ram, *Yogishwar* Shankar, Sanat Kumar.

समयः 05.34-07.11

जिज्ञासुः बाबा, जिसने अंत किया उसने सब कुछ किया। ऐसा कहा जाता है।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः उसका मीनिंग।

बाबाः इसका अंत करने वाला आदि में होगा या नहीं होगा? आदि सो अंत कहा जाता है। माने सृष्टि की आदि में जो थे वो श्रेष्ठ आत्माएं होंगी या निकृष्ट आत्माएं होंगी? श्रेष्ठ आत्माएं होंगी। जिन्होंने नई सृष्टि की आदि की, वो ही फिर अंत में भगवान जब आते हैं तो नीच ते नीच बन जाते हैं। वो आदि करने वाले ही अंत तक विजयी रहते हैं। क्योंकि भगवान उनका सहयोगी रहता है। बाकि अंत में सब परमधाम चले जावेंगे। वो अंत तक पार्ट बजावेंगे। इसलिए ऊँचे कहे जाते हैं, ऑलराउण्ड पार्ट बजाने वाले। जिन्होंने थोड़ा पार्ट बजाया सृष्टि चक्र में वो ज्यादा अनुभवी हुए या जिन्होंने पूरे सृष्टि चक्र का ऑलराउण्ड पार्ट बजाया वो ज्यादा अनुभवी हुए? ऑलराउण्ड पार्ट बजाने वाले, आदि सो अंत का पार्ट बजाने वाले ज्यादा अनुभवी हुए। सबके पूर्वज हो गए। सबके पूजनीय हो गए। पूर्वजों की पूजा की जाती है ना।

Time: 05.34-07.11
Student: Baba, the one who brings about an end does everything. It is said so.
Baba: Yes.
Student: What is its *meaning*?
Baba: Will the one who brings the end be present in the beginning or not? It is said: As is the beginning, so shall be the end. It means that will the souls that were present in the beginning of the world be elevated souls or lowly souls? They will be elevated souls. Those who started the new world they themselves become the most degraded ones when God comes in the end. The ones who begin, themselves remain victorious till the end because God remains helpful to them. Everyone else will return to the Supreme Abode in the end. They will play the *part* till the end. This is why those who play an *all-round part* are called high. Are those who played fewer parts in the world cycle more experienced or are those who played an *all-round part* in the entire world cycle more experienced? Those who play an *all-round part*, those who play a *part* from the beginning till the end are more experienced. They are the ancestors of everyone. They are worship worthy for everyone. The ancestors are worshipped, aren't they?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 07.16-09.16

जिज्ञासुः बाबा, सतयुग की आबादी नौ लाख बताई हुई है। साढ़े चार लाख जन्म देने वाले और साढ़े चार लाख जन्म लेने वाले। उसमें साढ़े चार लाख जो हैं वो नौ धर्मों से कनेक्टेड हैं। वो तो नौ पंजे पैंतालीस। सूर्यवंशी 50000, चन्द्रवंशी 50000।

बाबाः साढ़े चार लाख जो हैं वो प्रजा दो वर्गों में से आती है। एक चन्द्रवंशी एक सूर्यवंशी। चन्द्रवंशी माने चन्द्रमा को फॉलो करने वाले, चन्द्रमा की औलाद। और सूर्यवंशी माने सूर्य को फॉलो करने वाले, सूर्य की औलाद। हाँ, तो?

जिज्ञासुः एक-एक धर्म के 50-50 हजार हो गए। नौ पंजे पैंतालीस हज़ार हैं ना, साढ़े चार लाख।

बाबाः साढ़े चार लाख हैं उनके नौ हिस्से किये गए। हाँ।

Time: 07.16-09.16

Student: Baba, the population of the Golden Age is said to be nine lakh (nine hundred thousand). Four and a half lakh (450 thousand) who give birth and four and a half lakh who are born. Among them four and a half lakh are *connected* to the nine religions. They are nine multiplied by five, i.e. forty five. 50,000 *Suryavanshi*, 50,000 *Chandravanshi*.

Baba: The four and a half lakh subjects come from two categories. One is the *Chandravansh* (the Moon dynasty) [and] one is the *Suryavansh* (the Sun dynasty). *Chandravanshiis* means those who *follow* the Moon, the children of the Moon. And *Suryavanshiis* means the children of the Sun, who *follow* the Sun. Yes, so?

Student: There are 50,000 each of every religion. Nine multiplied by five is forty five thousand, isn't it? Four and a half lakh.

Baba: There are four and a half lakh; they are divided into nine parts. Yes.

जिज्ञासुः सूर्यवंशी के 50000 है, चन्द्रवंशी 50[000], इस्लामवंशी 50[000], बौद्धी 50[000], क्रिश्चियन 50[000], सन्यास 50[000], मुस्लिम 50[000] और सिक्ख धर्म के 50[000] और आर्य समाजी 50[000], नौ पंजे पैंतालीस हो गए। जो सूर्यवंशी पक्के 50000 हैं वो द्वापरयुग में कनवर्ट होते हैं क्या और अनेक धर्मों में?

बाबाः तो वो पक्के कहाँ रहे? पक्के तो उनको कहा जाएगा जो आदि से लेकरके अंत तक कनवर्ट नहीं होते। टकराते रहते हैं विदेशियों से।

जिज्ञासुः 50 हजार टकराते रहते हैं।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः कनवर्ट नहीं होते।

बाबाः सूर्यवंशियों में ताकत होगी तब तो टकरायेंगे। सूर्य क्या करता है? खुद भी जलता है और दूसरों को भी जलाता है। अग्नि में जितना तपते हैं उतना पावन बनते हैं, कुन्दन बनते हैं। सूर्य की रोशनी भी तपाती है। ये है ज्ञान की रोशनी।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: There are 50,000 of the *Suryavansh*, 50[000] *Chandravanshiis*, 50[000] *Islamvanshiis*[1], 50[000] Buddhists, 50[000] Christians, 50[000] *Sanyasis*, 50[000] Muslims and 50[000] of the Sikh religion and 50[000] Arya Samajis; nine multiplied by five is forty five. Do the 50000 firm *Suryavanshiis convert* to the other various religions in the Copper Age?
Baba: So, did they remain firm? Those who do not *convert* from the beginning till the end will be called firm. They keep clashing with the foreigners.
Student: 50,000 keep clashing [with the foreigners].
Baba: Yes.
Student: They do not *convert*.
Baba: *Suryavanshiis* will clash only when they have power. What does the Sun do? It burns itself and burns others as well. The more someone burns in the fire, the purer, pure gold he becomes. Sunlight also burns. This is the light of knowledge.

समयः 09.22-11.10

जिज्ञासुः बाबा, कृष्ण के साथ गोप-गोपी दिखाते हैं। और राम के साथ बन्दर क्यों दिखाते हैं?
बाबाः ये तो राम और कृष्ण के भक्तों की लड़ाई है। क्या? जो राम के भक्त बने, राम के जो फालोवर बने स्पेशल उनमें विकार ज्यादा होते हैं या नहीं होते हैं? (जिज्ञासु - होते हैं।) उनमें जास्ती विकार होते हैं। क्यों? कृष्ण के फालोवर्स में जास्ती विकार क्यों नहीं होते? क्योंकि कृष्ण की आत्मा की राशि क्राइस्ट से मिलाई जाती है। क्यों मिलाई गई क्राइस्ट से? कृष्ण और कृष्ण के फालोवर्स में बुद्धि ज्यादा होती है या राम और राम के फालोवर्स में बुद्धि ज्यादा होती है? (जिज्ञासु - राम और...) वो बुद्धिमान बाप के बुद्धिमान बच्चे। और वो किसको फालो कर लेते हैं? क्राइस्ट को फालो कर लेते हैं विदेशियों को। राधा कहाँ से आएगी? विदेश से आती है या स्वदेश से आती है? विदेश से आती है। तो संस्कार तो विदेशियों के पड़ जाते हैं ना। हाँ, जी। समझ में आया? किसने पूछा था? बात समझ में आ गई? (जिज्ञासु - हाँ ।) हाँ, जी।

Time: 09.22-11.10
Student: Baba, *gop-gopis* are shown with Krishna. And why are monkeys shown with Ram?
Baba: This is a fight between the devotees of Ram and Krishna. What? Do those who became the devotees of Ram, the *special* followers of Ram have more vices or not? (Student: They have.) They have more vices. Why? Why don't the *followers* of Krishna have more vices? It is because the horoscope (*raashi*) of the soul of Krishna is matched with that of Christ. Why is it matched with Christ? Do Krishna and the *followers* of Krishna have more intellect or do Ram and the *followers* of Ram have more intellect? (Students: Ram and ...). They are the intelligent children of the intelligent Father. And whom do they (followers of Krishna) *follow*? They *follow* Christ, the foreigners. Where will Radha come from? Does she come from abroad or from *swadesh* (India)? She comes from abroad (*videsh*). So, she develops the *sanskaars* of the foreigners, doesn't she? Yes. Did you understand? Who had [the question]? Did you understand the topic? (Student : Yes) Yes.

[1] Those belonging to the Islam dynasty

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 11.11- 12:58

जिज्ञासुः बाबा, ये जो 12 ज्योतिर्लिंग हैं, उसमें अष्ट देव आ सकते हैं क्या? 12 ज्योतिर्लिंग में अष्ट देव?

बाबाः अष्ट देव? 12 ज्योतिर्लिंगम् जो हैं, वो 12 उन आत्माओं की यादगार हैं जो 11 रुद्र बनते हैं जिनमें मुखिया प्रवेश करता है। शिव प्रवेश करता है या मुकर्रर पार्टधारी प्रवेश करता है? शिव सबमें प्रवेश नहीं करता है। शिव तो एकव्यापी बनकरके प्रत्यक्ष होता है संसार में। हाँ, जिस मुकर्रर रथ में आता है वो आत्मा 11 रुद्रों में प्रवेश करती है। इसलिए 12 शिवलिंग, ज्योतिर्लिंगम् गाए हुए हैं।

दूसरा जिज्ञासुः बाकी जो शिवलिंग, शिव मन्दिर रहते हैं वो?

बाबाः यादगार हैं और रुद्रगणों की। जो भी रुद्र गण हैं उन्होंने बीजरूपी स्टेज धारण की है या नहीं की है? लिंगरुप बने हैं या नहीं बने हैं? नाक, आँख, कान, इन्द्रियों की स्मृति को भूले हैं या नहीं भूले हैं? भूले हैं। इसलिए उनकी यादगार है। अब वो चाहे 108 की माला के रुद्र मणके हों और चाहे वो 1 लाख शालिग्राम हों जो रुद्र यज्ञ में बनाए जाते हैं। वो भी यादगार हैं, नंबरवार हैं। एक जैसी मालाएं नहीं हैं और एक जैसी आत्माएं नहीं हैं।

Time: 11.11- 12:58

Student: Baba, can the eight deities be included among the 12 *jyotirlings*[2]? Can the eight deities [be included] among the 12 *jyotirlings*?

Baba: The eight deities? The 12 *jyotirlingams* are the memorial of those 12 souls which become the 11 *Rudras* in whom the chief enters. Does Shiva enter or does the permanent actor enter? Shiva does not enter everyone. Shiva is revealed in the world as *ekvyaapi* (present in one being). Yes, the soul of the permanent chariot which He enters enters the 11 *Rudras*. This is why 12 *Shivlings, Jyotirlingams* are famous.

Another Student: What about the other *Shivlings*, and the temples of Shiva?

Baba: They are the memorial of the other *Rudragans*[3]. Have all the *Rudragans* imbibed the seed form *stage* or not? Have they become like a *ling* or not? Have they forgotten the awareness of the *indriyaan*[4] like nose, eyes, ears or not? They have forgotten it. This is why it is their memorial. Well, whether they are the beads of Rudra of the rosary of 108 or whether they are the 1 lakh *shaligrams* which are prepared during the *Rudra yagya*. They are also the memorial, they are number wise (high or low). The rosaries are not alike and the souls are not alike.

समयः 13.08-16.01

जिज्ञासुः बाबा, बारह में से आठ अष्ट देव हैं और चार नष्ट देव हैं।

बाबाः ठीक है।

जिज्ञासुः तो नष्ट देव बोले तो क्या बाबा?

बाबाः उनका काम क्या है?

---

[2] Several chief *Shivlings* (said to number twelve)
[3] Followers of Rudra / Shankar
[4] Parts of the body and organs of the senses

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः विनाश करना।

बाबाः तो ये काम आसान है या कठिन है? (जिज्ञासु - कठिन।) ये कठिन काम सब कोई नहीं कर पाते हैं। निकृष्ट काम है या श्रेष्ठ काम है? (जिज्ञासु - निकृष्ट काम है।) शंकर को भी बायीं ओर बैठाया है या दायीं ओर बैठाया है? (जिज्ञासु - बायीं ओर।) बायीं ओर क्यों बैठाया ? (जिज्ञासु - विनाश करने के लिए।) उसके हाथ में जो काम आता है वो काम कैसा है? दायें हाथ का काम है या बायें हाथ का काम है? अरे, वाममार्गी काम है, वाममार्गियों के संसर्ग संपर्क में ज्यादा आता है या दायें मार्ग वालों के संपर्क में ज्यादा आता है? बाप बाहर संभालता है और माँ अंदर संभालती है। उसका, माँ का नाम है ब्रह्मा। और बाप तो जगतपिता है। दूसरे धर्म की जो आत्माएँ हैं, बड़ी कठोर आत्माएं, उनको भी कंट्रोल करने वाला है।

Time: 13.08-16.01
Student: Baba, eight out of the twelve [beads] are the eight deities (*asht dev*) and four are the deities of destruction (*nasht dev*).
Baba: It is correct.
Student: So, what is meant by *nasht dev* Baba?
Baba: What is their task?
Student: To bring destruction.
Baba: So, is this task easy or difficult? (Student: It is difficult.) Everyone is not able to perform this difficult task. Is it a lowly task or an elevated task? (Student: It is a lowly task.) Has Shankar also been made to seat on the left side or on the right side? (Student: Left side.) Why has he been made to seat on the left side? (Student: To destroy.) How is the task that comes into his hands? Is it a task of the right hand or of the left hand? *Arey*, is it a task of the left [hand], does he come more in the contact and connection of the leftists (those from the left side of the tree) or does he come more in the contact of those who follow the right path? The Father takes care of the outside affairs and the mother takes care of the affairs in [the house]. Her, the mother's name is Brahma. And the father is the Father of the world. He controls even the souls of the other religions, the very tough souls.

ऐसे ही वो तीन राम के भाई हैं जो तीन धर्मों के मुखिया हैं। एडवांस पार्टी में आदि वाली आत्माएं हैं, ज्यादा पावरफुल हैं या कम पावरफुल हैं? (जिज्ञासु - ज्यादा पावरफुल।) ज्यादा पावरफुल हैं। बीच में आने वाले लल्लू-पंजू तो विरोध कर भी नहीं सकते। वो आदि से लेकरके अंत तक विरोध करती हैं। सदगुरु निंदक ठौर न पावैं। नज़दीक उनको सेवा करने का चांस नहीं मिलता अंत में। जब विनाश होगा तो विनाशी धर्मखंडों में जाकरके सर्विस करेंगे। इब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट जैसी आत्माओं को निकालने के निमित्त बनेंगे। इब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट जैसी सशक्त आत्माएं निकलेंगी तो अपने फालोवर्स को खींच करके बाप का बनाय देंगी।

Similarly, there are those three brothers of Ram who are the chiefs of the three religions. Are the souls of the beginning of the *advance party* more *powerful* or less *powerful*? (Student: More *powerful*.) They are more *powerful*. The weak [souls] who come in the middle cannot even oppose. [But] they (i.e. the souls of the beginning of the advance party) oppose from the beginning till the end. Those who defame the *Sadguru* cannot find accommodation. They do not get a *chance* to do service being close [to Baba] in the end. They will go to the destructible

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

religious lands and do *service* when the destruction takes places. They will become instruments to give knowledge to the souls like Abraham, Buddha, Christ. When the powerful souls like Abraham, Buddha, Christ emerge, they will pull their *followers* and make them the Father's [children].

समयः 16.05-17.45

जिज्ञासुः बाबा, भक्तिमार्ग में कन्याकुमारी को ज्यादा वैल्यु दिया है। तो बेहद में कौनसी कन्याकुमारी है बाबा जिसने ये पार्ट बजाया?

बाबाः जो चन्द्रवंश की राधा है, जो लक्ष्मी बनती है - राधा चन्द्रवंशी, कृष्ण? सूर्यवंशी- तो वो राधा बचपन से लेकरके और जबतक ज्ञान में आती है, ज्ञान में आने से लेकरके अंत तक कुमारी ही रहती है या अपवित्र बनती है? (जिज्ञासु - कुमारी।) कुमारी रहती है। इसलिए कुमारी कन्या का गायन है। उसके मुकाबले दूसरा गायन है अधर कुमारी का। वो कुँवारी कन्या है भारतमाता का पार्ट बजाने वाली। उसमें प्योरिटी की विशेषता है। भारत की कन्याओं-माताओं की पवित्रता की ज्यादा संभाल की जाती है या विदेशी कन्याओं-माताओं की ज्यादा संभाल की जाती है? (जिज्ञासु - भारत की।) तो भारत माता है शिवशक्ति अवतार। प्योरिटी के आधार पर वो ताकत आ जाती है। फिर उसके मुकाबले दूसरी है अधरकुमारी। जगदम्बा। ब्राह्मण जीवन काल में ही थोड़ी बेवफाई हो जाती है। अधरकुमारी बन जाती है।

Time: 16.05-17.45

Student: Baba, *Kanyakumari* has been given more *value* in the path of *bhakti*. So, who is the unlimited *Kanyakumari* who has played this *part*?

Baba: The Radha of the Moon dynasty, who becomes Lakshmi - Radha is *Chandravanshii* and what about Krishna? [He is] *Suryavanshii* - so, does that Radha remain just a virgin (*kumaari*) from her childhood to the time she enters the path of knowledge and from the time she enters the path of knowledge till the end or does she become impure? (Student: Virgin.) She remains a virgin. This is why *Kumaari kanyaa* (virgin) is praised. In contrast to it the other praise is of *Adhar Kumaari* (a married woman who follows celibacy in life). That *Kumaari kanyaa* is the one who plays the *part* of Mother India. She has the specialty of *purity*. Is the purity of the virgins and mothers of India safeguarded more or is the [purity of the] virgins and mothers of the foreign countries safeguarded more? (Student: Of India.) So, Mother India is an incarnation of *Shivshakti* (consort of Shiva). She gets that *power* because of *purity*. Then, in contrast to her the other one is *Adhar Kumaari*, Jagdamba. She shows a little disloyalty (*bevafaai*) in her Brahmin life itself. She becomes an *adhar kumaari*.

समयः 17.54-22. 12

जिज्ञासुः बाबा, ये जो 12वीं और 13वीं शताब्दि में जो संत लोग होते थे महात्मा बसवेश्वर, ज्ञानेश्वर, तुकाराम महाराज। ये तो शरीर छोड़ दिये। बादमें पुनर्जन्म लेके ये पार्ट...?

बाबाः बजाते हैं।

जिज्ञासुः बजाते हैं ना।

बाबाः हाँ।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः मैंने एक से बात किया तो वो बोले ऐसा हो ही नहीं सकता। बोले उनकी सदगति हो गई।

बाबाः तो आपने उनकी बात मान ली।

जिज्ञासुः नहीं-नहीं मान लिया नहीं बाबा।

बाबाः मान ली तभी तो भरी सभा में बोल रहे हैं। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) आपको कुछ शक है। अगर आपको शक नहीं होता, पक्का होता कि ऐसा हो ही नहीं सकता तो आपको यहाँ बोलने की जरुरत ही क्या है? वो तो झूठी बात है।

Time: 17.54-22.12
Student: Baba, the saints of the 12th and 13th century like Mahatma Basaweshwar, Gyaneshwar, Tukaram Maharaj have left their body. After being born again, their *part*…
Baba: They play [a part].
Student: They play, don't they?
Baba: Yes.
Student: I spoke to a [person] and he said this cannot be possible at all. He said, they have attained true liberation (*sadgati*).
Baba: So, you accepted what he said.
Student: No, no Baba I did not accept.
Baba: You have accepted it; that is why you are speaking in front of the entire gathering. ☺ (Student said something.) You have some doubt. If you did not have a doubt, if you were sure that it cannot be possible at all, then where is the need for you to speak here? That is a false topic.

जिज्ञासुः झूठी बात है बाबा। मैंने कहा सदगति हो ही नहीं सकती।

बाबाः सदगति हो ही नहीं सकती। सदगति होके जाएंगे कहाँ? एक की सदगति होगी तो उनके पीछे ढ़ेर जाएंगे। एक की सदगति थोड़े ही हो सकती है? एक के अनेक फालोवर्स बनते हैं। अगर सबकी सदगति होती जाए तो दुनिया की जनसंख्या कम होगी या ज्यादा होगी? कम होती जाएगी। ये तो नियम बना हुआ है जो भी ऊपर से आते हैं वो इसी दुनिया में जन्म-मरण के चक्र में आते रहते हैं। कोई भी वापस नहीं जा सकता। सतोप्रधान आते हैं, और जन्म-मरण के चक्र में आते-आते तमोप्रधान बनते जाते हैं, सुख भोगते-भोगते। जितना इन्द्रियों से सुख भोगेंगे उतना तमोप्रधान बनते जावेंगे। नीचे गिरते जावेंगे। तो ऊपर चढ़ने का तो सवाल ही नहीं। अगर ऊपर चढ़ जाएं तो ऊपर चढ़ाने वाले को भगवान कहेंगे या इंसान कहेंगे? फिर तो वो भगवान हो गया। भगवान को बीच में आने की क्या दरकार? भगवान तो अंत में ही आता है। और अंत में आकरके सारी दुनिया की सदगति करके जाता है। दो-चार की सदगति करे तो वो ऊँच ते ऊँच भगवान या सबकी सदगति करे वो ऊँच ते ऊँच भगवान? (जिज्ञासु - सबकी सदगति करे वो ऊँच।) अपनी भी सदगति नहीं कर पाते। दो चार की भी तो करेंगे कहां से?

Student: Baba, it is false. I said that they cannot achieve true liberation at all.
Baba: They cannot achieve *sadgati* at all. Where will they go after achieving *sadgati*? If one achieves *sadgati* then numerous [souls] will go behind them. Just one [soul] cannot achieve *sadgati*. Many become the *followers* of one [soul]. If everyone goes on achieving *sadgati* will the

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

population of the world decrease or increase? It will go on decreasing. It is a rule that whoever comes from above (the Soul World) keeps coming in the cycle of birth and death in this world itself. Nobody can go back. They come *satopradhaan*[5] and passing through the cycle of birth and death, enjoying pleasures they go on becoming *tamopradhaan*[6]. The more they experience pleasures through the *indriyaa*, the more they will go on becoming *tamopradhaan*. They will go on experiencing downfall. So, there is no question of rising up at all. If they rise up, then will the one who enables them to rise up be called God or a human being? Then he happens to be God. What is the need for God to come in the middle [of the *kalpa*]? God comes only in the end. And after coming in the end He brings the *sadgati* of the entire world and then goes. Is the one who brings the *sadgati* of two-four [souls] the highest on high God or is the one who brings the *sadgati* of everyone the highest on high God? (Student: The one who brings everybody's *sadgati* is the highest.) They themselves are unable to achieve true liberation. How can they bring the *sadgati* of even two-four [souls]?

जिज्ञासुः उनके साथ बातचीत में ये हो गया मैं बोला उनकी सगदति हो ही नहीं सकती। वो बोले तुम जिस धर्म में जन्म लिये हो उनके बारे में ऐसा क्यों बता रहे? मैं बोला उनकी सदगति हो ही नहीं सकती।

Student: During my conversation with him I said that they cannot achieve *sadgati* at all. He said why are you speaking like this about them despite being born in the same religion? I said, they cannot achieve *sadgati* at all.

बाबाः अब वो एक कहे - हो सकती है। दूसरा कहे - नहीं हो सकती है। तो प्रूफ देने पड़े ना। बिना प्रूफ के कैसे मानेंगे ? उनको बताना पड़े कि दुनिया नीचे गिरती जा रही है और नीचे गिरने वाली दुनिया में वो आये कहाँ से वो आत्माएं? उनसे पूछो कहाँ से आई? तो वो तो जवाब नहीं दे सकेंगे। आपके पास तो जवाब है कि आत्माएं कहाँ से आती हैं। आती हैं फिर वापिस जाने का रास्ता उनको मिलता है या नहीं मिलता है? (जिज्ञासु - नहीं मिलता है।) वापस जाने का रास्ता किसी को पता ही नहीं है। सब जन्म-मरण के चक्र में इसी दुनिया में चक्कर खाते रहते हैं। वापस तो वो ही ले जा सकता है जिसके ऊपर कर्म का बंधन न चढ़ता हो, जो संग के रंग में न आता हो। इस दुनिया में ऐसी एक भी मनुष्यात्मा नहीं है, जो संग के रंग में आकरके नीचे न गिरती हो। सबको संग का रंग लगता है। एक शिवबाबा है, शिव आत्मा ही ऐसी है जिसको संग का रंग नहीं लगता। मुकर्रर रथ में रहता है, पतित तन में रहता है, पतित इन्द्रियों से कर्म करता है लेकिन संग का रंग नहीं लगता है। जिनको संग का रंग लगता है उनका पुरुषार्थ कैसा हो जाता है? डाउन हो जाता है, ऊँचा चढ़ता है? डाउन हो जाता है।

Baba: Well, one says: It is possible, the other says: It cannot be possible, so, you will have to give them proofs, won't you? How will they accept without proofs? You will have to tell them, the world is experiencing downfall. From where did those souls come in the world that is experiencing downfall? Ask them where they came from. They will be unable to reply. You have reply [to the question] where the souls come from. Do they find the path to go back or not after

[5] Consisting in the quality of goodness and purity.
[6] Dominated by the quality of darkness and ignorance.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

they come? (Student: They don't find.) Nobody knows the path to go back at all. Everyone keeps passing through the cycle of birth and death in this world itself. Only the One who is not bound by the bondage of *karma* and the one who does not come in the colour of the company can take [you] back. There is not even a single human soul in this world which does not experience downfall by being coloured by the company. Everyone is coloured by the company. It is Shivbaba, the soul Shiva alone who is not coloured by the company. He stays in the permanent chariot, in the impure body, He acts through the impure *indriyaa* but He is not coloured by the colour of the company. How does the *purushaarth* of the ones who are coloured by the company become? Does it go *down* or does it rise high? It goes *down*.

समयः 22.18-25.08

जिज्ञासुः बाबा, गुल्जार दादी द्वारा जो अव्यक्त वाणी चलती है उसके अंत में बापदादा यादप्यार देते हैं। जबकि वहाँ बाप होते ही नहीं। केवल दादा होते हैं। तो बापदादा क्यों कहा जाता है?

बाबाः बापदादा कहा जाता है, वो जो अव्यक्त वाणी चलती है, उसका क्लेरिफिकेशन देने वाला राम बाप है बच्चों के सामने टीचर के रूप में और दादा है ब्रह्मा की सोल।

जिज्ञासुः परन्तु वहाँ पर तो बाप रहते ही नहीं ना। क्लेरिफिकेशन तो वहाँ दिया ही नहीं जाता।

Time: 22.18-25.08

Student: Baba, Bapdada gives *yaadpyaar* (remembrance and love) at the end of the avyakt vani that is narrated through Dadi Gulzar; although the Father is not present there. There is only Dada [there]. So, why is it said Bapdada?

Baba: They say Bapdada; the one who gives the *clarification* of the avyakt vani which is narrated is father Ram in the form of the *teacher* in front of the children. And Dada is the *soul* of Brahma.

Student: But the Father is not at all present there, is He? The *clarification* is not at all given there.

बाबाः वो जो बाप है वो अकेला कुछ भी नहीं करता बिन्दी बाप। बिन्दी बाप भी बाप कब कहा जाता है? (जिज्ञासु - साकार।) जब साकार में होता है तो बाप कहा जाता है। इसलिए राम वाली आत्मा बाप का पार्ट। भल उसमें शिव की सोल पार्ट बजाती है। दोनों ही बेहद के बाप हैं। और कृष्ण वाली आत्मा बच्चे का पार्ट, बच्चा बुद्धि का पार्ट। इसलिए बापदादा कहा जाता है। और दादा की आत्मा को बाप की याद रहती है। भल बाप के दो रूप हैं। एक निराकार और एक साकार। तो ब्रह्मा जब गुल्जार दादी में रहता है तो उनको बेसिक नॉलेज का प्रभाव ज्यादा रहता है कि एडवांस नॉलेज याद रहती है? बेसिक नॉलेज का प्रभाव ज्यादा रहता है। इसलिए उनको निराकार याद आता है।

Baba: That Father, the Point Father does not do anything alone. When is that Point Father also called a Father? (Student: Corporeal.) When He is present in the corporeal form He is called a Father. This is why the soul of Ram [plays] the *part* of a father although the *soul* of Shiva plays a *part* in him. Both are the unlimited Fathers. And the soul of Krishna [plays] the *part* of a child, the *part* of the one with a child like intellect; this is why they say Bapdada. And Dada's soul remembers the Father. Although there are two forms of the Father. One is incorporeal and the other is corporeal. So, when Brahma is in Dadi Gulzar, does he have more influence of the *basic*

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

knowledge or does he remember the *advance knowledge*? There is more influence of the *basic knowledge*. This is why he remembers the incorporeal One.

जिज्ञासुः सेन्टर की एक बहनजी से हमने बात की थी। तो उन्होंने कहा कि बापदादा आते हैं, ये स्पष्टीकरण उन्होंने दिया कि दोनों भी आते हैं यहाँ पर इसलिए तो कहते हैं वो बापदादा।
बाबाः अगर दोनों आते हैं तो बाप जो है वो निराकार बाप आता है या साकार और निराकार दोनों का मेल आता है? पूछो उनसे। कौन आता है? कहेंगे निराकार शिव ज्योतिबिन्दु आता है। (जिज्ञासु - हॉ।) ये ही कहेंगे ना। तो शिव ज्योतिबिन्दु को सूक्ष्म शरीर होता है? (जिज्ञासु - नहीं।) फिर सूक्ष्म शरीर तो जिसमें प्रवेश करता है उसको कुछ याद ही नहीं रहता। कोई भी सूक्ष्म शरीरधारी आत्मा प्रवेश करेगी तो जिसमें प्रवेश करेगी उसको दबोच लेगी, उसकी आत्मा को। वो सब कुछ भूल जाता है। गुल्ज़ार दादी भी सब कुछ भूल जाती है। और शिव ज्योति बिन्दु पतित में प्रवेश करेगा या पावन कन्या में प्रवेश करेगा? (जिज्ञासु - पतित में।) वह पतित में प्रवेश करता है। आपके पास ढ़ेर सारे प्वाइंट हैं। दो तड़ातड़ उनको सुना करके ठंडा कर दो।

Student: I had had spoken to a sister of a center. She said Bapdada comes; she clarified that both [Bap and Dada] come here; that is why they say Bapdada.
Baba: If both come, does the incorporeal Father come or does the combination of the corporeal as well as the incorporeal come? Ask them. Who comes? They will say the incorporeal Point of light Shiva comes. (Student: Yes.) They will certainly say this, will they not? So, does the Point of light Shiva have a subtle body? (Student: No.) Then, the one in whom a subtle body enters does not remember anything. If any subtle bodied soul enters, it will suppress the soul of the one whom it enters. He forgets everything. Dadi Gulzar also forgets everything. And will the Point of light Shiva enter a sinful one or a pure virgin? (Student: In a sinful one.) He enters a sinful one. You have lots of points. Give them quick succession [of points] and make them quiet. ☺

समयः 25.18-26.40
जिज्ञासुः बाबा, माताओं के लिए [बोला है] बीवी मरे तो हलुआ खाओ।
बाबाः अम्मा मरे तो हलुआ खाओ क्योंकि माताओं को मोह का कीड़ा ज्यादा खाता है। क्या? बाप का जो पार्ट है उनको मोह का कीड़ा उतना नहीं खाता है। मोह का कीड़ा ऐसा है कि जिसको खाता है और जिसमें लगता है तो उसको अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। एक में मोह आएगा तो जिसको याद करेगा उसमें भी मोह आ जाएगा। इसलिए बोला - भक्तिमार्ग में भी कहते हैं - मोह सकल व्याधिन कर मूला। सब प्रकार के दुखों का मूल मोह है। ये लगाव, झुकाव, अटैचमेंट। इसलिए बोला कि अम्मा मरे तो हलुआ खाओ। बीबी मरे तो हलुआ खाओ। बच्चे को ज्यादा अटैचमेंट किसका लगता है? संग का रंग ज्यादा किसका लगता है? माँ का। और पति को ज्यादा अटैचमेंट किसका लगता है? बीबी का। तो अटैचमेंट से बच जाएं, उस मोह के बंधन से छूट जाएं तो खुशी का हलुआ खाना चाहिए ना।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 25.18-26.40
Student: Baba, it has [been said] for the mothers: Eat *halua* (a sweetdish) if the wife dies.
Baba: Eat *halua* if the mother dies because mothers are troubled more by the worm of attachment. What? The Father's *part* is not troubled by the worm of attachment to that extent. The worm of attachment is such that whomever it bites or whomever it finds a place in, it attracts him to itself. If someone has attachment for someone else, then the one whom he remembers will also have attachment. This is why it is said: It is said in the path of *bhakti* as well: *Moh sakal vyaadhiin kar muulaa*. The root cause of all kinds of sorrow is attachment. This attachment, inclination. This is why it is said: 'You should eat *halua* if the mother dies. You should eat *halua* if the wife dies.' For whom does a child have more *attachment*? By whose company is he coloured more? Of the mother. And for whom does a husband have more *attachment*? For the wife. If you are saved from *attachment*, if you become free from the bondage of that attachment, you should eat the *halua* of joy, shouldn't you?

समयः 26.47- 30.50

जिज्ञासुः बाबा, भक्तिमार्ग में सन्त तुकाराम वैकुण्ठवासी हो गए ऐसे कहते हैं। वो उनका शरीर नहीं छुटा?

बाबाः आपने जिनसे सुना है उनकी बातों पे विश्वास कैसे कर लिया? उनसे पूछा क्यों नहीं कि स्वर्ग है कहाँ इस दुनिया में? कहीं है स्वर्ग ऊपर नीचे? (जिज्ञासु - नहीं।) इसी दुनिया में, इसी पृथ्वी पर स्वर्ग होता है, इसी पृथ्वी पर नर्क होता है या ऊपर नीचे कोई सितारे हैं, कोई ग्रह-उपग्रह हैं जहाँ स्वर्ग नर्क होता है? इसी पृथ्वी पर स्वर्ग है, इसी पृथ्वी पर नर्क है। जीव-जन्तु इसी पृथ्वी पर होते हैं। दूसरा कोई ग्रह-उपग्रह नहीं है जहाँ जीव-जन्तु होते हो।

Time: 26.47- 30.50
Student: Baba, it is said in the path of *bhakti* that Saint Tukaram became a resident of heaven (*vaikunthvaasi*). So, didn't he leave his body?
Baba: How did you believe the words of the person from whom you heard [this]? Why didn't you ask him where heaven is in this world? Is heaven anywhere above or below? (Student: No.) Is there heaven in this very world, this very Earth, is there hell on this very Earth or are there any stars, any planet or satellite where heaven [and] hell is? There is heaven on this very Earth, there is hell on this very Earth. There are living creatures only on this Earth. There is no other planet or satellite where living creatures exist.

इस पृथ्वी पर भी ऐसे स्थान हैं जहाँ कोई जीव-जंतु नहीं होता। उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव। बर्फ ही बर्फ। जीव-जन्तु होने का सवाल ही नहीं। क्योंकि वहाँ पर सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं। दूर हो जाता है सूर्य। और पृथ्वी का जो हिस्सा सूरज के नज़दीक पड़ता है, वहाँ जीवजन्तु हैं। तो जीवन होने के लिए एक्जेक्ट, एक्यूरेट दूरी चाहिए। नहीं तो जीवन नहीं पनप सकता। दूसरे-दूसरे ग्रह-उपग्रह तो सूरज से कितनी दूर हैं और कितने नज़दीक हैं। वहाँ तो जीवन होने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

Even on this Earth there are such places where there are no living creatures. There is ice and only ice on the North Pole and the South Pole. There is no question of the existence of any living creatures at all because the Sunrays fall slanting there. The Sun is far. And there are living

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

creatures in that portion of the Earth which is closer to the Sun. So, an *accurate* distance [from the Sun] is required for the existence of life. Otherwise life cannot exist . Other planets and satellites are so far and so close to the Sun. There is no question of the existence of life there at all.

इसलिए जो स्वर्ग नरक की गाथा बताते हैं कि वो स्वर्ग में गए। जाएंगे कैसे? स्वस्थिति में रहना जानते हैं जो स्वर्ग में गए? स्वर्ग का अर्थ ही नहीं जानते। स्वर्ग का अर्थ ही है जो स्वस्थिति में गया। वो स्वर्गवासी हुआ। और स्वस्थिति में जाना सिखाया किसने? कोई साधारण आत्मा स्वस्थिति में जाना सिखाएगी? जितनी भी मनुष्यात्माएं हैं सब परिस्थिति के वश हो जाती हैं। जब खुद ही परिस्थितियों के चक्कर में आ जाती हैं जन्म-जन्मान्तर तो दूसरों को या खुद को स्वस्थिति में स्थिर कैसे करेंगी? ये तो एक भगवान ही है जो सदैव स्वस्थिति में रहने वाला है। कभी भी परिस्थिति में बंधता नहीं। परचिंतन में नहीं आता। पर से प्रभावित नहीं होता। कोई का संग का रंग उसको नहीं लगता और कभी भी नहीं लगता। एक सेकण्ड भी नहीं लगता। वो ही स्वस्थिति में रहना सिखाता है। तो ये सब झूठी बातें बोलते हैं कि वो ब्रह्मलोक गया, वो स्वर्गलोक गया। पहले तो ये तो बताओ स्वर्ग है कहाँ? ये ही पता नहीं है स्वर्ग कहाँ है और ब्रह्मलोक कहाँ है तो जाने-आने की बात कहाँ से आ गई? शरीर छोड़ते हैं इसी दुनिया में, जन्म ले लेते हैं। हाँ, अच्छे कर्म किये होंगे तो अच्छे घराने में जन्म लेंगे। दुख देने के कर्म किये होंगे तो नीच घराने में जन्म मिलता है, खराब चोला मिलता है।

This is why the story of heaven and hell that they narrate that this one went to heaven… how can they go? Do they know to remain in *swasthiti*[7]) so that they went to heaven (*swarg*)? They do not know the meaning of heaven at all. *Swarg* itself means the one who achieved the stage of the self. He became a resident of heaven. And who taught [us] to achieve the stage of the self? Will any ordinary soul teach [us] to achieve the stage of the self? All the human souls become subject to circumstances (*paristhiti*). When they themselves are entangled in circumstances for many births, how can they make others or themselves constant in *swasthiti*? It is God alone who always remains in *swasthiti*. He never comes in the bondage of the circumstances. He never thinks of others (*parchintan*). He is not influenced by others (*par*). He is not coloured by the company of anyone. And He is never coloured. Not even for a *second*. He alone teaches [us] to remain in *swasthiti*. So, all these people speak lies that this person went to the *Brahmlok* (Supreme Abode), that person went to *swarglok* (heaven). [You should say:] First of all, tell [us] where heaven is. They don't even know where heaven and *Brahmalok* is. Then, how does the question of coming and going arise? When someone leaves his body he is born in this world itself. Yes, if someone has performed good actions, he will be born in a good family. If someone has performed actions of giving sorrow, he is born in a low class family. He gets a defected body.

समयः 31.05-34.06

जिज्ञासुः सूर्य की कलाएं कम नहीं होती हैं। इसी तरह आज भी 16 कला संपूर्ण आत्माएं मौजूद होंगी?

[7] The stage of the self.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः सूर्य की कलाएं कम नहीं होती हैं। जैसे बाप ज्यादा ताकतवर होता है या बाप से पैदा होने वाले बच्चे जो वंश (परं)परा में पैदा होते रहते हैं वो भी ताकतवर उतने ही बने रहते हैं?
जिज्ञासुः बाप के बेटे सब एक ही होते हैं ना।
बाबाः एक ही जैसे होते हैं? आज से 400 वर्ष पहले जो मनुष्य थे वो ज्यादा पावरफुल नहीं थे? थे ना? (जिज्ञासु - थे।) महाराणा प्रताप की तलवार उठाते नहीं बनती । म्युजियम में रखी हुई है। तो कहाँ पहले के मनुष्य, पहले के बाप और कहाँ उनके बच्चे, दर बच्चे, दर बच्चे पैदा होते गए। गाल चुपुट्टी बनते गए। आँखें अंदर धंसती गईं। तो 84 जन्मों में कितना पतन हुआ है।

Time: 31.05-34.06
Student: The celestial degrees of the Sun do not decrease. Similarly, will there be souls complete with 16 celestial degrees present even today?
Baba: The celestial degrees of the Sun do not decrease. For example, is the Father more powerful or do the children who are born from the father in his family line equally powerful?
Student: All the children of the father are alike, aren't they?
Baba: Are they alike? Weren't the people 400 years ago more *powerful*? They were, weren't they? (Student: They were.) People are unable to lift the sword of Maharana Pratap. It is kept in the *museum*. So, what a difference between the people of the past, fathers of the past and their children in the successive generations! The cheeks have continued to become flat. The eyes have gone inside. So much downfall has taken place in the 84 births!

माने बाप में ज्यादा ताकत होती है या बच्चे में ज्यादा ताकत होती है? बाप में ज्यादा ताकत होती है। रचयिता ताकतवर होता है। रचना उतनी ताकतवर नहीं हो सकती। इसलिए सूर्य सबका बाप है। उसमें जितनी ताकत है उतना सूर्यवंशी बच्चों में ताकत नहीं हो सकती। तो जो सूर्यवंशी बच्चे इस दुनिया में हैं वो भी संग के रंग में आ गए। कोई बड़े राजा का बच्चा संग के रंग में आ जाए, महाराजा का बच्चा संग के रंग में आ जाए और गरीब आदमियों के बच्चे भी उसी संग के रंग में आ जाएं तो ज्यादा सत्यानाशी कौन बनेगा? (किसी ने कुछ कहा - राजा का बच्चा।) (उत्तर देने वाले से-) उन्हें बताने दो ना। (जिज्ञासु -राजा।) राजा का बच्चा ज्यादा सत्यानाशी बनेगा, ज्यादा पतित बनेगा। तो ऐसे ही है। भल सूर्यवंशी बच्चे तो हैं, ऊँचे ते ऊँच बाप के बच्चे हैं, लेकिन संग के रंग में आने से नीच ते नीच बन गए। उतनी पावर नहीं रही। सत्या नाश हो गया। सत्य में ताकत होती है। असत्य बन गए। झूठों के संग में आते-आते झूठे बन गए। भारत सबसे जास्ती झूठखंड बन गया। सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार कौनसे देश में चल रहा है? (जिज्ञासु - भारत।) अभी तो और भ्रष्टाचार बढ़ेगा। गवर्मेन्ट ही भ्रष्टाचारी होती जा रही है तो यथा राजा तथा प्रजा भ्रष्टाचारी बनती जा रही है।

It means does the father have more power or does the child have more power? The father has more power. The creator is powerful. The creation cannot be so powerful. This is why the Sun is everybody's father. The *Suryavanshi* children cannot have as much power as He has. So, even the *Suryavanshi* children who exist in this world have come in the colour of the company. If the child of a great king comes in the colour of the company, if the child of an emperor comes in the colour of the company and if the children of a poor person are also coloured by the same

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

company, who will bring more ruination? (Someone said: The child of a king.) (To the student who answered :) Let him (the one who asked the question) speak. (Student: King.) A king's child will bring more ruination, he will become more sinful. So, it is the same thing [here]. Although they are the *Suryavanshi* children, the children of the highest Father, yet they became the lowest by coming in the colour of the company. They did not have so much *power*. They were ruined (*satyaa naash*). Truth (*satya*) has power. They became untrue. They became false by coming in the company of the false people. *Bharat* (India) became the most false land (*jhuuthkhand*). Which country is experiencing corruption the most? (Student: India.) Now, the corruption will increase more. The *government* itself is becoming corrupt; so, as the king so the subjects are becoming corrupt.

समयः 34.32-40.16

जिज्ञासुः बाबा, बाप की याद में बंदूक कैसे चलाते हैं?

बाबाः कैसे चलाते हैं ये प्रश्न नहीं। बंदूक चलाना कोई बड़ी बात नहीं है। उंगली घुमाई और बंदूक चल गई। लेकिन बंदूक चलाने वाले की बात है। जो बंदूक चलाने वाला है, उसका भाव क्या है बंदूक चलाने के पीछे? देश कि रक्षा का भाव है या स्वार्थ का भाव है? अगर देश की रक्षा का भाव है तो बंदूक चलाने वाला स्वर्ग में जाएगा। क्योंकि परमार्थी है या स्वार्थी है? (सभी ने कहा - परमार्थी।) परमार्थी है। अगर खुद की रक्षा के लिए ही सिर्फ, स्वार्थ के लिए बंदूक चलाई और हत्या कर दी किसी की तो नरकगामी होगा या स्वर्गगामी होगा? नीचे घराने में जाके जन्म मिलेगा। पतित बन जावेगा।

दूसरा जिज्ञासुः पर कभी-कभी बाबा तो स्वार्थ अच्छे के लिए भी तो होता है।

बाबाः स्वार्थ!

दूसरा जिज्ञासुः नहीं, जैसे...

Time: 34.32-40.16
Student: Baba, how can we fire the gun in the Father's remembrance?
Baba: The question is not how you fire the gun. Using a gun is not a big deal. You turn your finger (pull the trigger) and the gun is fired. But it is about the person firing the gun. The person who is firing the gun, what is the intention behind firing the gun? Is there the intention to safeguard the country or is there the intention of selfishness? If the intention is to safeguard the country, the person firing the gun will go to heaven because is he *parmaarthii* (altruistic) or *swaarthi* (selfish)? (Everyone said: *parmaarthii*.) He is *parmaarthi*. If he fired the gun only for his own safety, for selfish motives and killed someone, then will he go to the hell or heaven? He will be born in a low clan. He will become sinful.
A second student: Baba, but sometimes selfishness is also for good.
Baba: Selfishness!
The second student: No, for example...

बाबाः स्व का माने अपनी आत्मा के लिए सिर्फ। दूसरों का कल्याण नहीं देखा। दूसरों का नुकसान हो चाहे फायदा हो, हमें इससे कोई मतलब नहीं। हमारा काम बन जाए। हमारे रथ का फायदा हो जाए। स्व का जो रथ है ना स्व माने आत्मा। इस आत्मा का जो रथ है उस स्व के रथ का कल्याण हो जाए। दूसरा चाहे गड्ढे में जाए, चाहे मर जाए। इससे कोई मतलब नहीं।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

दूसरा जिज्ञासुः यानी खुद की रक्षा करने के लिए ये बात बोली।
बाबाः हाँ। तो खुद की रक्षा करने... खुद की रक्षा वो है, जैसे किसी ने आक्रमण कर दिया। कोई हमारी हत्या करने के लिए ही आ रहा है तो खुद की रक्षा करने के लिए हम भाग गए। अपने को बचा लिया। तो ये क्या खराब काम हुआ? ये कोई खराब काम थोड़े ही हुआ। ये तो अच्छा है। जीवन को बचाना। जीवन दिया किसने? ड्रामा प्लैन अनुसार हमको जीवन कुदरती मिला हुआ है। इस दुनिया में कोई जीवन लेने और देने की ताकत थोड़े ही रखता है। तो जीवन की सुरक्षा करना, ये हमारी आत्मा का धर्म है। और संगमयुग में तो ये जीवन और ही ज्यादा वैल्युएबल । जीवन रहेगा तो पुरुषार्थ बढ़िया रहेगा। और शरीर छूट गया? फिर जब तक समझदार नहीं बनेंगे, ज्ञान को समझने लायक नहीं बनेंगे तब तक का तो जीवन बेकार चला गया।

Baba: For *swa* means only for our soul. We did not pay attention others' benefit. It is of no concern to us whether it brings harm or benefit to others. Our work should be done. Our chariot (*rath*) should be benefited. The chariot of *swa*; *swa* means the soul. The chariot of this soul, the chariot of *swa* should be benefitted. It doesn't matter whether the other person falls in pit or dies; it is of no concern to us.
The second student: I meant about protecting the self.
Baba: Yes. As regards self defence... Self defence means... suppose someone attacked you. Someone is coming to kill us; so, we ran away to protect ourselves. We saved ourselves. So, this is not a wrong task. It is not a wrong task. It is good to save your life. Who has given you life? We have received this life naturally as per the *drama plan*. Nobody has the power to give or take life in this world. So, to protect our life is the duty of our soul. And in the Confluence Age, this life is even more *valuable*. If there is life, the *purushaarth* will be good. And what if you leave the body? Then until you become intelligent, until you become capable of understanding the knowledge, the life will go waste.

तीसरा जिज्ञासुः बाबा, रात में चोर लुटेरे डाकू अस्त्र-शस्त्र लेकर आए। अपनी बचाव के लिए बंदूक चलाई तो...?
बाबाः बंदूक रखी किसलिए? अरे, बंदूक किसलिए रखी? चलाएंगे तो बाद में। रखी किसलिए? बंदूक या तमंचा किसलिए रखा? नेगेटिव संकल्पों के कारण रखा या पाजिटिव संकल्पों के कारण रखा? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, हम जो बात पूछ रहे हैं, उसका जवाब दो। उसके पीछे संकल्प किस तरह के हैं, बंदूक रखने के पीछे? (जिज्ञासु - सुरक्षा।) सुरक्षा? सुरक्षा भाग के भी तो हो सकती है।

A third student: Baba, if thieves, looters and dacoits come with weapons at night and we fire the gun to protect our self then…?
Baba: Why did you keep the gun? ☺ *Arey*, why did you keep the gun? You will use it later but why did you keep it [in the first place]? Why did you keep a gun (*banduuk, tamancaa*)? Did you keep it because of *negative* thoughts or because of *positive* thoughts? (Student said something.) Yes, reply to the question that is being asked. What kind of thoughts are there behind keeping the gun? (Student: Defence.) Defence? Defence can also be ensured by running away [from the house].

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः घर से रात में भाग कैसे सकते?
बाबाः हाँ, हाँ।
जिज्ञासुः दरवाजा बन्द है।
बाबाः आप एक बंदूक उठायेंगे एक आदमी। वो दस आदमी आ जाएंगे तो आप कैसे बचेंगे? पूर्व जन्मों के हिसाब से ही हर कार्य होता है। पूर्व जन्मों में जो कर्म किये हैं, तब ही ऐसा होगा। हमने पूर्व जन्म में और इस जन्म में अच्छे कर्म किये हैं तो हमारा ऐसा हश्र नहीं हो सकता। अभी विनाश आने वाला । विनाश सामने खड़ा हुआ है। बंदूक हाथ में ले करके हम जीत पाएंगे? बोलो। अरे! जो विनाश सामने खड़ा हुआ है महाभारी महाभारत युद्ध में जो मारकाट होने वाली है हिन्दुस्तान में, उसमें हम बंदूक, एक बंदूक हाथ में लेकरके हम अपनी सुरक्षा कर पाएंगे, अपने परिवार की? नहीं कर पाएंगे। यही तो बात है कि भगवान आकरके योगबल सिखाता है। ऐसा योगबल हो कि जिसको हम, जो सामने आये और उसको हम देखें और उसका वायब्रेशन चेंज हो जाए। ये रही बंदूक आँखों की। जब आँखों से प्यार की बंदूक चल सकती है और सामने वाला मर सकता है, तो उल्टे वायब्रेशन की बंदूक नहीं चल सकती?

Student: How can we run away from the house at night?
Baba: Yes, yes.
Student: The door is closed.
Baba: You, one person will hold one gun. If ten people come, how will you save yourself? Every task is performed according to the account of the past births itself. It will happen like this only if you have performed such deeds in the past births. If we have performed good actions in the past births and this birth, we cannot meet this fate. Now the destruction is nearing, destruction is standing ahead. Will we be able to gain victory by holding a gun in our hands? Speak up. *Arey*! The destruction that is standing ahead, the bloodshed that is going to take place in the massive *Mahabharata* war in India, will we be able to save our self, our family by holding a gun in our hands? We will not be able to [do this]. This is the difference, that God comes and teaches the power of yoga. There should be such power of yoga that we see someone who comes in front of us and his vibrations *change*. This is the gun of the eyes. When the gun of love can be fired through the eyes and the person in front of us can die, then can't the gun of opposite vibrations be fired?

समयः 40.29-42.06

जिज्ञासुः बाबा, जो आत्महत्या करते है उनकी गति क्या होती है?
बाबाः आत्महत्या करने का संकल्प ही परमात्म संकल्प के विरोधी है। आत्मा की हत्या होती ही नहीं कभी। क्या? जीव हत्या होती है। तो जीवन लेना और जीवन देना हमारे हाथ में होना चाहिए? ये लॉ को अपने हाथ में उठाने वाली बात नहीं हुई? लॉ अपने हाथ में उठाना चाहिए? (जिज्ञासु - नहीं) नहीं। न अपनी हत्या करने का संकल्प आए कभी भी, कर्म में आना और वाचा में आना, किसी को धमकी देना वाचा से, ये तो दूर की बात। न दूसरों को मारने का संकल्प आना चाहिए, वाचा में आना चाहिए, कर्मणा में आना चाहिए। ये बहुत नेगेटिव संकल्प है। जीवन लेना और जीवन देना ये ड्रामा के बस में है। जीयदान देने वाला ईश्वर है। जो भी आत्महत्या

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

करने वाले हैं वो सब भूत-प्रेत बनते हैं। अपना ही कल्याण नहीं कर सके तो दूसरों का कल्याण क्या करेंगे?

Time: 40.29-42.06
Student: Baba, what will be the fate of those who commit suicide (*aatmahatyaa*)?
Baba: *Aatmahatyaa*. The very thought of committing suicide is against the thought of the Supreme Soul. A soul (*aatmaa*) can never be killed (*hatyaa*). What? A living being can be killed. So, should taking life or giving life be in our hands? Is it not taking *law* into our hands? Should we take *law* into our hands? (Student: No.) No. Neither should the thought of killing ourselves ever arise - doing it in actions and bringing it in words; warning someone through words is a far off topic - nor should killing others come in our thoughts, words or actions. This is a very *negative* thought. Taking life and giving life is in the control of the *drama*. It is God who gives life. All those who commit suicide become ghosts and spirits. When they could not bring benefit to themselves, what benefit will they bring to others?

समयः 42.21-43.52
जिज्ञासुः बाबा, भक्तिमार्ग में संत ज्ञानेश्वर ने रेडे के मुँह से वाणी चलाई।
बाबाः रेडा का मुँह कैसा होता है?
दूसरा जिज्ञासुः भैंसा।
बाबाः भैंसा। भैंसे के मुख से वाणी चलाई?
जिज्ञासुः वेद वाणी चलाई।
बाबाः भैंसे के मुख से वेदवाणी चलती है?
जिज्ञासुः चलाई। संत ज्ञानेश्वर ने।

Time: 42.21-43.52
Student: Baba, saint Gyaneshwar made a buffalo (*redaa*) narrate *vaani* in the path of *bhakti*.
Baba: How is the mouth of a *redaa*?
A second student: Buffalo.
Baba: Buffalo (*bhainsaa*). He made a buffalo narrate *vaani*?
Student: He made it narrate the *Vedvaani*.
Baba: Does a buffalo narrate the *Vedvaani*?
Student: Saint Gyaneshwar made him narrate it.

बाबाः आपने विश्वास कैसे कर लिया? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) आपने विश्वास कैसे कर लिया? ये बात सच्ची कैसे मान ली? दूसरे ने कह दी और आपने सच्ची मान ली? ये ही तो मुरली में रोज़ सुनाया जा रहा है कि भक्तिमार्ग में होती है अंधश्रद्धा। अगर सच्ची बात है तो अभी दिखाओ। ये प्रैक्टिकल करके दिखाओ - भैंस के मुँह से वेदवाणी सुनाओ। कोई का सुनवा के दिखाओ। कोई ऐसा संत ज्ञानेश्वर का बच्चा है तो वो सुना के दिखाए। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) हर बात को क्यों मानना?

Baba: How did you believe it? (Student said something.) How did **you** believe it? How did you believe this to be true? The other person told you and you accepted it to be true? This itself is

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

being narrated in the murli daily that there is blind faith in the path of *bhakti*. If it is true, show it [to me] now. Do it in practice and show [me]. Make a buffalo narrate the *Vedvaani*. Prove it by making someone do so. If there is any child of Saint Gyaneshwar let him do so. (Student said something.) Why should you accept everything?

तीसरा जिज्ञासुः पोपट बोलता है...।

बाबाः पोपट तो रटा-रटाया बोलता है। बुद्धि की बातें बोलता है क्या पोपट? पोपट को जैसा रटा दिया जाएगा, वैसा बोलता रहेगा।

A third student: A parrot (*popat*) speaks…
Baba: A parrot speaks whatever it has learnt by heart. Does a parrot speak anything wise? A parrot will keep speaking whatever it is made to learn by heart.

समयः 44.06-44.49

जिज्ञासुः पार्थ शब्द का अर्थ क्या है बाबा? पार्थ।

बाबाः पार्थ। पृथ्वी। पृथ्वी माने माता। पृथु राजा का नाम जिसने पृथ्वी के ऊपर राज्य किया। वो पिता हो गया। पृथ्वी माता हो गई। और पृथ्वी का पुत्र पृथा। कन्या का नाम हो गया। पार्थ पुरुष का नाम हो गया, बच्चे का नाम हो गया। जैसे भरत का पुत्र **भा**रत।

Time: 44.06-44.49
Student: Baba, what is the meaning of the word '*Paarth'? Paarth*.
Baba: *Paarth. Prithvi* (Earth). *Prithvi* means mother. *Prathu* is the name of a king who ruled over the Earth. He is the father. *Prithvi* is the mother. And *Prithvi*'s son is *Prathaa*. It is the name of a virgin. *Paarth* is the name of a man, of a son. For example, the son of Bharat is Bhaarat.

समयः 44.57-46.55

जिज्ञासुः बाबा, दिव्य चक्षु माना क्या?

बाबाः ये चक्षु होते हैं स्थूल चक्षु। और एक दिव्य चक्षु होता है जिसे कहते हैं तीसरी आँख। वो भी दो प्रकार की होती है। एक होती है साक्षात्कार वगैरह करते हैं दिव्य चक्षु से। वो उतनी पावरफुल और स्थायी रहने वाली चीज़ नहीं है। लेकिन ज्ञान के आधार पर जो दिव्य चक्षु पक्का हो जाता है, आत्मा का तीसरा नेत्र खुल जाता है सदैव के लिए वो पक्का दिव्य चक्षु है। यज्ञ के आदि में भी बहुतों को साक्षात्कार हुए थे सिंध हैदराबाद में। साक्षात्कार होते गए और ज्ञान में आते गए। वो टिके हुए हैं या हवा हो गए? हवा हो गए। लेकिन ज्ञान के आधार पर जिनका बुद्धि रूपी तीसरा नेत्र खुलेगा, दिव्य चक्षु खुलेगा वो दिव्य चक्षु वाले देवता बन जावेंगे। देवताओं में ही दिव्य गुण होते हैं। वो देवताएं दो प्रकार के होते हैं। एक चन्द्रवंशी और एक सूर्यवंशी। सूर्यवंशियों में ज्ञान का तीसरा नेत्र होता है और चन्द्रवंशियों में प्योरिटी के आधार पर उनको भगवान साक्षात्कार कराता रहता है। जैसे राधा वाली आत्मा जहाँ कहीं भी होगी साक्षात्कार करती रहती है और खुश होती रहती है। ज्ञान भल बुद्धि में नहीं है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 44.57-46.55
Student: Baba, what is meant by divine eyes (*divya chakshu*)?
Baba: These eyes are the physical eyes. And one thing is divine eyes which is called the third eye. They are also of two kinds. One thing is visions (*saakshaatkaar*) etc. that people have through the divine eyes. It is not something that is very *powerful* and permanent. But the divine eyes that become fixed on the basis of knowledge, the third eye of the soul that opens forever are the real divine eyes. Also, in the beginning of the *yagya* many people had visions in Sindh Hyderabad. They had visions and they continued to enter [the path of] knowledge. Are they still present or have they vanished? They have vanished. But those whose third eye like intellect, divine eyes will open because of knowledge will become the deities with divine eyes. Only the deities have divine virtues. Those deities are of two kinds. One [kind] is *Chandravanshis* and the other is *Suryavanshis. Suryavanshis* possess the third eye of knowledge. And God keeps giving visions to the *Chandravanshis* because of their *purity*. For example, wherever the soul of Radha is, she has visions and she keeps becoming happy; although she does not have the knowledge in her intellect.

समयः 47.05-49.12

जिज्ञासुः बाबा, आज की मुरली में गुरुओं के बारे में बाबा ने कहा है - इन गुरुओं ने तो हमारी सत्यानाश कर दी है।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः और भारत की भी कर दी है।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः तो ये भारत कौन?

बाबाः भारत एक तो देश का नाम है, स्थान का नाम , जहाँ रहते हैं मनुष्य। और हमारी सत्यानाश कर दी है, ये ब्रह्मा बाबा अपनी तरफ से बोले। कभी ब्रह्मा की आत्मा भी इंटरफियर करके बोलती है? हाँ। तो वो बोलती है तो कहती है हमारी सत्यानाश कर दी। और भारत की भी सत्यानाश। सबसे जास्ती सत्यानाश हमारी हुई या भारत की हुई? ज्यादा सत्यानाश किसकी होती है?

Time: 47.05-49.12
Student: Baba, in today's murli Baba has said about the gurus: These gurus have ruined us.
Baba: Yes.
Student: And they have [ruined] Bharat (India) as well.
Baba: Yes.
Student: So, who is this Bharat?
Baba: On one side Bharat is the name of a country, a place where human beings live. And 'they (*gurus*) have ruined us (*satyaanaash*)' were the words said by Brahma Baba. Does Brahma's soul also *interfere* and speak sometimes? Yes. So, when it speaks, it says '[they] have ruined us'. And [they] have ruined Bharat as well. Who was ruined the most, us or Bharat? Who is ruined more?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः फिर भारत ये शब्द किसके लिए?
बाबाः भारत माने माता। भारत माने पिता। भरत पुत्र को भारत कहा जाता है। जिसने भरण-पोषण किया वो ही भरत हुआ।
जिज्ञासुः भरत शिवबाबा है।
बाबाः हाँ, जी। विष्णु को कहा जाता है भरत। भरण-पोषण करने वाले को। विश्व भरण-पोषण कर जोई, ताकर नाम भरत आस होई। ब्रहमा के चार पुत्र हुए मानसी। उनमें एक मानसी पुत्र का नाम... वो तो शास्त्रों के आधार पर सनत, सनातन, सनंदन, सनत कुमार हुए। लेकिन रामायण में उनके नाम क्या हैं? राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न। ये चार धर्मों के चार बीज हैं। उनमें एक का नाम भरत है। उस भरत ने जरूर विश्व पिता का पालन-पोषण किया है एडवांस के आदि में। तो विश्वपिता का पालन पोषण कर दिया माना सारे विश्व का पालन-पोषण कर लिया। तो इसलिए उसका नाम भारत पड़ गया।

Student: The word Bharat refers to whom?
Baba: Bharat means mother and father. Son of Bharat is called Bhaarat. The one who gave sustenance is himself Bharat.
Student: Bharat is Shivbaba.
Baba: Yes. Vishnu is called Bharat. The one who gives sustenance. *Vishwa bharan poshan kar joi, taakar naam bharat as hoi* (The one who sustains the world is named Bharat). Brahma had four sons born through his thoughts. The name of one of them … According to the scriptures they were Sanat, Sanaatan, Sanandan, Sanat Kumar. But what are their names in the Ramayana? Ram, Lakshman, Bharat, Shatrughna. These are the four seeds of the four religions. Among them, one is Bharat. That Bharat has definitely sustained the World Father in the beginning of the *advance* [party]. He sustained the World Father means he sustained the entire world. That is why he was named Bharat.

समयः 40.29-42.06
जिज्ञासुः बाबा, जो आत्महत्या करते है उनकी गति क्या होती है?
बाबाः आत्महत्या करने का संकल्प ही परमात्म संकल्प के विरोधी है। आत्मा की हत्या होती ही नहीं कभी। क्या? जीव हत्या होती है। तो जीवन लेना और जीवन देना हमारे हाथ में होना चाहिए? ये लॉ को अपने हाथ में उठाने वाली बात नहीं हुई? लॉ अपने हाथ में उठाना चाहिए? (जिज्ञासु - नहीं) नहीं। न अपनी हत्या करने का संकल्प आए कभी भी, कर्म में आना और वाचा में आना, किसी को धमकी देना वाचा से, ये तो दूर की बात। न दूसरों को मारने का संकल्प आना चाहिए, वाचा में आना चाहिए, कर्मणा में आना चाहिए। ये बहुत नेगेटिव संकल्प है। जीवन लेना और जीवन देना ये ड्रामा के बस में है। जीयदान देने वाला ईश्वर है। जो भी आत्महत्या करने वाले हैं वो सब भूत-प्रेत बनते हैं। अपना ही कल्याण नहीं कर सके तो दूसरों का कल्याण क्या करेंगे?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 40.29-42.06
Student: Baba, what will be the fate of those who commit suicide (*aatmahatyaa*)?
Baba: *Aatmahatyaa*. The very thought of committing suicide is against the thought of the Supreme Soul. A soul (*aatmaa*) can never be killed (*hatyaa*). What? A living being can be killed. So, should taking life or giving life be in our hands? Is it not taking *law* into our hands? Should we take *law* into our hands? (Student: No.) No. Neither should the thought of killing ourselves ever arise - doing it in actions and bringing it in words; warning someone through words is a far off topic - nor should killing others come in our thoughts, words or actions. This is a very *negative* thought. Taking life and giving life is in the control of the *drama*. It is God who gives life. All those who commit suicide become ghosts and spirits. When they could not bring benefit to themselves, what benefit will they bring to others?

समयः 42.21-43.52
जिज्ञासुः बाबा, भक्तिमार्ग में संत ज्ञानेश्वर ने रेडे के मुँह से वाणी चलाई।
बाबाः रेडा का मुँह कैसा होता है?
दूसरा जिज्ञासुः भैंसा।
बाबाः भैंसा। भैंसे के मुख से वाणी चलाई?
जिज्ञासुः वेद वाणी चलाई।
बाबाः भैंसे के मुख से वेदवाणी चलती है?
जिज्ञासुः चलाई। संत ज्ञानेश्वर ने।

Time: 42.21-43.52
Student: Baba, saint Gyaneshwar made a buffalo (*redaa*) narrate *vaani* in the path of *bhakti*.
Baba: How is the mouth of a *redaa*?
A second student: Buffalo.
Baba: Buffalo (*bhainsaa*). He made a buffalo narrate *vaani*?
Student: He made it narrate the *Vedvaani*.
Baba: Does a buffalo narrate the *Vedvaani*?
Student: Saint Gyaneshwar made him narrate it.

बाबाः आपने विश्वास कैसे कर लिया? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) आपने विश्वास कैसे कर लिया? ये बात सच्ची कैसे मान ली? दूसरे ने कह दी और आपने सच्ची मान ली? ये ही तो मुरली में रोज़ सुनाया जा रहा है कि भक्तिमार्ग में होती है अंधश्रद्धा। अगर सच्ची बात है तो अभी दिखाओ। ये प्रैक्टिकल करके दिखाओ - भैंस के मुँह से वेदवाणी सुनाओ। कोई का सुनवा के दिखाओ। कोई ऐसा संत ज्ञानेश्वर का बच्चा है तो वो सुना के दिखाए। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) हर बात को क्यों मानना?

Baba: How did you believe it? (Student said something.) How did **you** believe it? How did you believe this to be true? The other person told you and you accepted it to be true? This itself is being narrated in the murli daily that there is blind faith in the path of *bhakti*. If it is true, show it [to me] now. Do it in practice and show [me]. Make a buffalo narrate the *Vedvaani*. Prove it by making someone do so. If there is any child of Saint Gyaneshwar let him do so. (Student said something.) Why should you accept everything?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

तीसरा जिज्ञासुः पोपट बोलता है...।

बाबाः पोपट तो रटा-रटाया बोलता है। बुद्धि की बातें बोलता है क्या पोपट? पोपट को जैसा रटा दिया जाएगा, वैसा बोलता रहेगा।

A third student: A parrot (*popat*) speaks…
Baba: A parrot speaks whatever it has learnt by heart. Does a parrot speak anything wise? A parrot will keep speaking whatever it is made to learn by heart.

समयः 44.06-44.49

जिज्ञासुः पार्थ शब्द का अर्थ क्या है बाबा? पार्थ।

बाबाः पार्थ। पृथ्वी। पृथ्वी माने माता। पृथु राजा का नाम जिसने पृथ्वी के ऊपर राज्य किया। वो पिता हो गया। पृथ्वी माता हो गई। और पृथ्वी का पुत्र पृथा। कन्या का नाम हो गया। पार्थ पुरुष का नाम हो गया, बच्चे का नाम हो गया। जैसे भरत का पुत्र **भा**रत।

Time: 44.06-44.49
Student: Baba, what is the meaning of the word '*Paarth'? Paarth*.
Baba: *Paarth. Prithvi* (Earth). *Prithvi* means mother. *Prathu* is the name of a king who ruled over the Earth. He is the father. *Prithvi* is the mother. And *Prithvi*'s son is *Prathaa*. It is the name of a virgin. *Paarth* is the name of a man, of a son. For example, the son of Bharat is Bhaarat.

समयः 44.57-46.55

जिज्ञासुः बाबा, दिव्य चक्षु माना क्या?

बाबाः ये चक्षु होते हैं स्थूल चक्षु। और एक दिव्य चक्षु होता है जिसे कहते हैं तीसरी आँख। वो भी दो प्रकार की होती है। एक होती है साक्षात्कार वगैरह करते हैं दिव्य चक्षु से। वो उतनी पावरफुल और स्थायी रहने वाली चीज़ नहीं है। लेकिन ज्ञान के आधार पर जो दिव्य चक्षु पक्का हो जाता है, आत्मा का तीसरा नेत्र खुल जाता है सदैव के लिए वो पक्का दिव्य चक्षु है। यज्ञ के आदि में भी बहुतों को साक्षात्कार हुए थे सिंध हैदराबाद में। साक्षात्कार होते गए और ज्ञान में आते गए। वो टिके हुए हैं या हवा हो गए? हवा हो गए। लेकिन ज्ञान के आधार पर जिनका बुद्धि रूपी तीसरा नेत्र खुलेगा, दिव्य चक्षु खुलेगा वो दिव्य चक्षु वाले देवता बन जावेंगे। देवताओं में ही दिव्य गुण होते हैं। वो देवताएं दो प्रकार के होते हैं। एक चन्द्रवंशी और एक सूर्यवंशी। सूर्यवंशियों में ज्ञान का तीसरा नेत्र होता है और चन्द्रवंशियों में प्योरिटी के आधार पर उनको भगवान साक्षात्कार कराता रहता है। जैसे राधा वाली आत्मा जहाँ कहीं भी होगी साक्षात्कार करती रहती है और खुश होती रहती है। ज्ञान भल बुद्धि में नहीं है।

Time: 44.57-46.55
Student: Baba, what is meant by divine eyes (*divya chakshu*)?
Baba: These eyes are the physical eyes. And one thing is divine eyes which is called the third eye. They are also of two kinds. One thing is visions (*saakshaatkaar*) etc. that people have

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

through the divine eyes. It is not something that is very *powerful* and permanent. But the divine eyes that become fixed on the basis of knowledge, the third eye of the soul that opens forever are the real divine eyes. Also, in the beginning of the *yagya* many people had visions in Sindh Hyderabad. They had visions and they continued to enter [the path of] knowledge. Are they still present or have they vanished? They have vanished. But those whose third eye like intellect, divine eyes will open because of knowledge will become the deities with divine eyes. Only the deities have divine virtues. Those deities are of two kinds. One [kind] is *Chandravanshis* and the other is *Suryavanshis. Suryavanshis* possess the third eye of knowledge. And God keeps giving visions to the *Chandravanshis* because of their *purity*. For example, wherever the soul of Radha is, she has visions and she keeps becoming happy; although she does not have the knowledge in her intellect.

समयः 47.05-49.12

जिज्ञासुः बाबा, आज की मुरली में गुरुओं के बारे में बाबा ने कहा है - इन गुरुओं ने तो हमारी सत्यानाश कर दी है।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः और भारत की भी कर दी है।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः तो ये भारत कौन?

बाबाः भारत एक तो देश का नाम है, स्थान का नाम , जहाँ रहते हैं मनुष्य। और हमारी सत्यानाश कर दी है, ये ब्रह्मा बाबा अपनी तरफ से बोले। कभी ब्रह्मा की आत्मा भी इंटरफियर करके बोलती है? हाँ। तो वो बोलती है तो कहती है हमारी सत्यानाश कर दी। और भारत की भी सत्यानाश। सबसे जास्ती सत्यानाश हमारी हुई या भारत की हुई? ज्यादा सत्यानाश किसकी होती है?

Time: 47.05-49.12
Student: Baba, in today's murli Baba has said about the gurus: These gurus have ruined us.
Baba: Yes.
Student: And they have [ruined] Bharat (India) as well.
Baba: Yes.
Student: So, who is this Bharat?
Baba: On one side Bharat is the name of a country, a place where human beings live. And 'they (*gurus*) have ruined us (*satyaanaash*)' were the words said by Brahma Baba. Does Brahma's soul also *interfere* and speak sometimes? Yes. So, when it speaks, it says '[they] have ruined us'. And [they] have ruined Bharat as well. Who was ruined the most, us or Bharat? Who is ruined more?

जिज्ञासुः फिर भारत ये शब्द किसके लिए?

बाबाः भारत माने माता। भारत माने पिता। भरत पुत्र को भारत कहा जाता है। जिसने भरण-पोषण किया वो ही भरत हुआ।

जिज्ञासुः भरत शिवबाबा है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ, जी। विष्णु को कहा जाता है भरत। भरण-पोषण करने वाले को। विश्व भरण-पोषण कर जोई, ताकर नाम भरत आस होई। ब्रह्मा के चार पुत्र हुए मानसी। उनमें एक मानसी पुत्र का नाम... वो तो शास्त्रों के आधार पर सनत, सनातन, सनंदन, सनत कुमार हुए। लेकिन रामायण में उनके नाम क्या हैं? राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न। ये चार धर्मों के चार बीज हैं। उनमें एक का नाम भरत है। उस भरत ने जरूर विश्व पिता का पालन-पोषण किया है एडवांस के आदि में। तो विश्वपिता का पालन पोषण कर दिया माना सारे विश्व का पालन-पोषण कर लिया। तो इसलिए उसका नाम भारत पड़ गया।

Student: The word Bharat refers to whom?
Baba: Bharat means mother and father. Son of Bharat is called Bhaarat. The one who gave sustenance is himself Bharat.
Student: Bharat is Shivbaba.
Baba: Yes. Vishnu is called Bharat. The one who gives sustenance. *Vishwa bharan poshan kar joi, taakar naam bharat as hoi* (The one who sustains the world is named Bharat). Brahma had four sons born through his thoughts. The name of one of them … According to the scriptures they were Sanat, Sanaatan, Sanandan, Sanat Kumar. But what are their names in the Ramayana? Ram, Lakshman, Bharat, Shatrughna. These are the four seeds of the four religions. Among them, one is Bharat. That Bharat has definitely sustained the World Father in the beginning of the *advance* [party]. He sustained the World Father means he sustained the entire world. That is why he was named Bharat.

समयः 49.25-52.46

जिज्ञासुः बाबा, गणपति, गणेशजी की इतनी महिमा गाते हैं और इतना खर्चा करते हैं और बाद में पानी में क्यों डाल देते हैं?

बाबाः हाँ, इतनी पूजा करते हैं गणेशजी की, हनूमानजी की।

जिज्ञासुः खर्चा भी करते हैं।

बाबाः गणेशजी की बहुत पूजा करते हैं। देवियों की बहुत पूजा करते हैं और पूजा करके बाद में? पानी में डुबोय देते हैं। नहीं डूबते हैं तो पाँव से दबाके डुबो देते हैं। (जिज्ञासु - हाँ। क्यों?) इसलिए कि यहाँ शूटिंग ही ऐसी होती है। ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया में जिनको भगतलोग देवी समझ करके बैठ जाते हैं... इस दुनिया में देवी होगी, कोई देवी है? देवी कोई नहीं। लेकिन समझ क्या लेते हैं? ये गंगा देवी है। ये यमुना देवी है। ये सरस्वती देवी है। तो ऐसी भावना बैठ जाती है और उनकी भगवान की तरह पूजा करने लग पड़ते हैं। अपने बाल बच्चों को दूध नहीं पिलाएंगे, सारा धन माल ले जा करके उन देवियों के अर्पण कर देंगे।

Time: 49.25-52.46
Student: Baba, Ganapati, Ganesh*ji* is praised so much, so much is spent after him, [still] why is he put into water later on?.
Baba: Yes, Ganesh*ji*, Hanuman*ji* are worshipped so much.
Student: They also spend [money].

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Ganesh*ji* is worshipped a lot. *Devis*[8] are worshipped a lot. And after worshipping ...? (Students: They put them in water.) They drown them in water. If they don't sink, they push them with legs and make them sink. (Student: Yes. Why?) It is because the *shooting* itself takes place in such a way here. The ones whom the devotees consider as *devi* in the Confluence Age world of Brahmins… will there be *devis* in this world; is anyone a *devi*? Nobody is a *devi*. But what do they think? This one is Ganga Devi. This one is Yamuna Devi. This one is Saraswati Devi. So, they (the devotees) have such feelings and they start worshipping them (the *devis*) like God. They will not feed milk to their children; they will go and offer their entire wealth to those *devis*.

तो ऐसी जो पूजा करते हैं और लास्ट में जब भगवान प्रत्यक्ष होता है तो उनको पता चल जाता है कि ये तो देवियां नहीं, देवियों के रूप में राक्षसियाँ हैं। ये गणेशजी नहीं हैं, गणेश के रूप में कोई जानवर है। जानवर भगवान है। भगवान बनके बैठा हुआ है। तो फिर डूबीजा-डूबीजा नहीं करेंगे, क्या करेंगे? उनसे मोह नष्ट हो जाता है। गुरुओं को मारो गोली। फिर उनको ज्ञान की गोलियाँ दागना शुरू कर देते हैं। तो डूबेंगे कि बचे रहेंगे? डूब जाते हैं। अरे जब भगवान मिल गया तो भगवान के बच्चे को क्यों भगवान मान लिया? भगवान एक होता है कि भगवान के बच्चे, दर बच्चे जितने भी होते हैं वंशानुक्रम में सब भगवान हो जाते हैं? (जिज्ञासु-एक होता है।) कांग्रेस पार्टी वाले क्या समझ रहे हैं नेहरूजी से ले करके अब तक? उनकी वंशावली में जो पैदा होगा वो ही शासन सत्ता संभालने की योग्यता रखता है। बाकी कोई भी योग्यता रखने वाला नहीं है। ऐसी अंधश्रद्धा बैठी हुई है ना। ये अंधश्रद्धा रखने का भी कारण क्या है? अरे शूटिंग कहाँ होती है? (जिज्ञासु - संगमयुग पर।) यहाँ संगमयुग में शूटिंग होती है। ज्ञानीतू आत्मा एक के प्रभाव में रहेगी। जो अज्ञानी है वो अनेकों के प्रभाव में आते रहते हैं।

So, those who worship in this way... and when God is revealed in the end, they come to know that these are not *devis* but witches in the form of *devis;* this is not Ganesh*ji*, he is some animal in the form of Ganesh. He is an animal like God. He is sitting as God. So, if they won't drown them, what else will they do? They lose attachment for them. To hell with the gurus! Then they start shooting the bullets of knowledge at them. So, will they sink or survive? They sink. *Arey,* when you have found God, why did you consider God's child as God? Is there one God or are all the children in the genealogy of God Gods? (Students: He is one.) What are the members of the *Congress Party* thinking [about the genealogy] of Nehru*ji* till today? Only the one who is born in his genealogy (*vanshaavali*) has the capability to rule. Nobody else has the capability. They have such blind faith? What is the reason for having this blind faith as well? *Arey*, where does the *shooting* take place? (Student: In the Confluence Age.) The *shooting* takes place here in the Confluence Age. A knowledgeable soul will remain under the influence of the One. Those who are ignorant keep coming under the influence of many [people].

समयः 52.58-54.31

जिज्ञासुः बाबा, शिवबाबा कहते हैं आशीर्वाद अक्षर भक्तिमार्ग का है।

बाबाः आशीर्वाद? हाँ।

[8] Female deities

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः वास्तव में तो आशीर्वाद से भक्तिमार्ग में कोई प्राप्ति नहीं होती है।
बाबाः ज्ञान मार्ग में आशीर्वाद से तो कोई प्राप्ति नहीं होती।
जिज्ञासुः भक्तिमार्ग में भी नहीं होनी चाहिए ना?
बाबाः भक्तिमार्ग में आशीर्वाद करते हैं, गुरू लोग आशीर्वाद करते हैं और वो साबित हो जाता है। यहाँ बाप कहते हैं, यहाँ आशीर्वाद की कोई बात नहीं, यहाँ तो पढ़ाई है। पढ़ाई में जो जितना पढ़ाई पढ़ेगा उसको उतना आशीर्वाद खुद ही मिल जावेगा।
जिज्ञासुः लेकिन बाबा, वास्तव में तो अपने कर्म से ही प्राप्त होता है ना?
बाबाः होता है। लेकिन भावना क्या बैठी हुई है? भावना का भाड़ा भक्तिमार्ग में मिलता है या नहीं मिलता है? भक्तिमार्ग में भावना बैठी हुई है। गुरू ने ऐसा बोल दिया, ऐसा आशीर्वाद दिया इसीलिए ऐसा हो गया। भाव प्रधान विश्व रचि राखा। अभी भावना हमारी अंधश्रद्धा की नहीं है। हमारा तो सच्चा श्रद्धा विश्वास है। उसमें अंधा शब्द नहीं जोड़ा जा सकता। हम भगवान को भी मानते हैं तो तौल लेते हैं, जान लेते है तब भगवान को मानते हैं।

Time: 52.58-54.31
Student: Baba, Shivbaba says: The word '*aashirwaad*' (blessings) is of the path of *bhakti*.
Baba: *Aashirwaad*. Yes.
Student: Actually, nothing is achieved through blessings in the path of *bhakti.*
Baba: Nothing is achieved through blessings in the path of knowledge.
Student: Nothing should be achieved in the path of *bhakti* either, shouldn't it?
Baba: In the path of *bhakti* [people] give blessings, gurus give blessings and it proves to be true. Here, the Father says: Here, there is no question of blessings. Here, it is the study. During studies, the more someone studies, the more blessings he will automatically receive.
Student: But Baba, actually one achieves [attainments] through his own actions, doesn't he?
Baba: They do. But what is the feeling? Do you get the return of your feelings in the path of *bhakti* or not? [People] have faith in the path of *bhakti*: The guru said like this, he gave this blessing; that is why it happened so. *Bhaav pradhaan vishwa raci raakhaa* (your world is created according to the intentions with which you perform deeds). Now our feelings are not of blind faith. Our faith and belief is true. The word '*andhaa*' (blind) cannot be added to it. When we accept God... we accept Him only after we judge Him, know Him.

समयः 54.38-59.22
जिज्ञासुः 14 वर्ष वनवास में रहने के बाद भी सीता को राज्याभिषेक होने के बाद जंगल में जाना पड़ा। सीता को।
बाबाः सीता को?
जिज्ञासुः 14 वर्ष वनवास में रहने के बाद ...।
बाबाः वो है कहाँ की बात?
जिज्ञासुः रामायण की बात।
बाबाः रामायण की बात है किस समय की बात?
जिज्ञासुः संगमयुग की।
बाबाः तो संगमयुग में जो बातें हुई हैं वो ही बातें वहाँ बताई गई हैं शास्त्रों में।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः राज्याभिषेक होने के बाद और भी जाना पड़ा।
बाबाः हाँ, हाँ। शूटिंग एक बार होती है कि बार-बार होती है? आत्मा को एक बार तपाया जाता है या बार-बार तपाया जाता है? संगमयुग में तो बार बार तपाया जाता है। ये शूटिंग अंत तक चलती ही रहेगी।

Time: 54.38-59.22
Student: Even after the exile of 14 years in the forest Sita had to go to the forest again after the coronation [of Ram].
Baba: Sita?
Student: After living in exile for 14 years …
Baba: It is about which time?
Student: It is about the Ramayana.
Baba: To which time does the topic of the Ramayana pertain?
Student: To the Confluence Age.
Baba: So, whatever has happened in the Confluence Age has been described in the scriptures there.
Student: She had to go [to forest] again even after the coronation [of Ram].
Baba: Yes, yes, does the *shooting* take place once or many times? Is the soul heated up [in the fire of yoga] once or many times? It is heated up many times in the Confluence Age. This *shooting* will continue to take place till the end.

98 से एडवांस की दुनिया में पाण्डवों को देश निकाला मिलता है। 14 वर्ष कब होंगे पूरे? (जिज्ञासु - 2012) 2012 में 14 वर्ष पूरे होते हैं। तो कांटों का जंगल हुआ ना। कांटों के जंगल में, कांटों के जंगल में भ्रमण करना पड़े या महल बनाके एक जगह रहना पड़ेगा? भ्रमण करना पड़े। ये शूटिंग पूरी हो जाएगी फिर प्रैक्टिकल शूटिंग होगी या नहीं होगी? (जिज्ञासु - होगी।) होगी। जब तक नई दुनिया न बने तब तक ये शूटिंग चालू रहेगी। क्या?
दूसरा जिज्ञासुः पेपर में लिखा हुआ है 2012 में पूरे सृष्टि का विनाश।
बाबाः पेपर में किसने लिखा?
दूसरा जिज्ञासुः शास्त्र।
बाबाः पूरी दुनिया विनाश होगी तो ब्राह्मणों की दुनिया के विनाश की बात आई है या बाहर की दुनिया विनाश हो जाएगी? (जिज्ञासु - ब्राह्मणों की दुनिया।) लेकिन अखबार में लिखने वालों ने क्या समझ लिया? (जिज्ञासु - बाहर की दुनिया।) बाहर की दुनिया विनाश हो जाएगी। ऐसा कुछ होने वाला नहीं है।

Pandavas were banished from the world of the advance [party] from 98. When will the 14 years complete? (Student: 2012.) 14 years complete in 2012. So, it is a *jungle* of thorns, isn't it? Will you have to roam in the *jungle* of thorns, or will you have to live at one place building a palace? You will have to wander. Will the *practical shooting* take place or not when this *shooting* is over? (Student: It will take place.) It will take place. Until the new world is created this *shooting* will continue. What?
Another student: It is written in the newspaper that the entire world will be destroyed in 2012.
Baba: Who has written it in the *paper*?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Another student: The scriptures.
Baba: 'The entire world will be destroyed', is it about the destruction of the Brahmin world or will the outside world be destroyed? (Student: The world of Brahmins.) But what did the people who wrote [this] in the newspapers think? (Student: The outside world.) The outside world will be destroyed. No such thing is going to happen.

सारी बाहर की दुनिया सन् 76 में खतम हो जाए, 80 में खतम हो जाए... जैसे मुसलमान लोग 80 के बाद, 1980 के बाद कोई तवारीख नहीं मानते। उनके शास्त्रों में कोई जिकर नहीं है। उनकी चौदहवीं सदी पूरी हो जाती है। तो समझते हैं दुनिया का विनाश हो जावेगा। उस विनाश के टाइम पर हमारे पैगम्बर प्रत्यक्ष होंगे। पैगम्बर प्रत्यक्ष हुए? नहीं हुए? वो इब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट जिनमें प्रवेश करते हैं वो अपने ब्राह्मणों की दुनिया में प्रत्यक्ष नहीं हैं? (जिज्ञसु- है।) तो कहाँ की बात और कहाँ अर्थ लगाया हुआ है। ऐसे ही शास्त्रों का भी हुआ। शास्त्र जब शुरुआत में, द्वापर की आदि में लिखे गए थे तो सतोप्रधान थे या तमोप्रधान थे? (जिज्ञासु - सतोप्रधान।) दुनिया की हर चीज़ पहले सतोप्रधान होती है। शास्त्र भी सतोप्रधान थे। फिर मनुष्यों की बुद्धि विकारों को भोगते-भोगते जैसे जैसे विकारी बनती गई उनका अर्थ उल्टा कर दिया। तो सारी बातें उल्टी बैठी हुई हैं बुद्धि में। समझते हैं 10 सिर वाला कोई रावण था। चार भुजाओं वाला कोई विष्णु था। 4 मुखों वाला कोई ब्रह्मा था। 6 महीने सोने वाला कोई कुंभकर्ण था। तो ये विकारी बुद्धी का कमाल है या ईश्वरीय बुद्धि है? विकारी बुद्धि का कमाल है। कोई पूछता भी नहीं ये कैसे हो सकता है।
ओम शांति।

If the entire outside world ends in the year 76, 80… for example, the Muslims believe that there is no date after 1980. There is no mention [of any date after that] in their scriptures. Their fourteenth century is completed [in 1980]. So, they think that the world will be destroyed. [They think:] at that time of destruction our Prophet (*paigambar*) will be revealed. Was their *Paigambar* revealed? Wasn't he revealed? Aren't the ones in whom those [religious fathers like] Abraham, Buddha, Christ enter revealed in our Brahmin world? (Student: They are.) So, it is in some other context and they have applied it to some other context. Similar was the case with the scriptures. When the scriptures were written in the beginning, in the beginning of the Copper Age, were they *satopradhaan* or were they *tamopradhaan*? (Student: *Satopradhaan.*) Everything in the world is *satopradhaan* at first. The scriptures also were *satopradhaan*. Then, as the intellect of the human beings went on becoming vicious by experiencing the pleasure of vices, they interpreted them (the scriptures) in a wrong way. So, all the topics have sat in their intellect in a wrong way. They think that there was some Ravan with 10 heads. There was some Vishnu with four arms. There was some Brahma with four heads. There was some Kumbhakarna[9] who slept for six months. So, is it a wonder of the vicious intellect or is it a Divine (*Ishwariya*) intellect? It is a wonder of the vicious intellect. Nobody even asks how it is possible. Om Shanti. (Concluded.)

[9] Brother of Ravan in the epic Ramayana who slept for six months and woke up for a day to sleep for another six months.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info